RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 | मुंबई : गुरुवार, 05 जनवरी 2023 | वर्ष 04 | अंक 224 | संपादक : फैसल शेख | पृष्ठ : 4 | कीमत : 03 रुपये

दैनिक
रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

पूर्व मंत्री अनिल परब के खिलाफ
ईडी का एक्शन !

कुर्क की करोड़ों की संपत्ति...

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री व शिवसेना (उद्धव) के नेता अनिल परब के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (एऊ) ने बड़ी कार्रवाई की. ईडी की ओर से अनिल परब, साई रिजॉर्ट एनएक्स और अन्य के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग जांच के सिलसिले में 10.20 करोड़ रुपये की संपत्ति अस्थायी रूप से कुर्क की गई है. जो संपत्ति ईडी ने कुर्क की है, वो जमीन के रूप में है, और रत्नागिरी के दापोली में है. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, ईडी की ओर से कुर्क की गई संपत्ति वाली भूमि की कीमत 2,73,91,000 रुपये है, वहीं बताया जा रहा है कि उक्त जगह जहां साई रिजॉर्ट एनएक्स बनाया गया है, उस भूमि का मूल्य 7,46,47,000 रुपये हैं. साई रिजॉर्ट एनएक्स के अवैध निर्माण के संबंध में कई शिकायतें सामने आई थीं, जिसके बाद कार्रवाई की गई है. यानी यह मामला रिजॉर्ट के निर्माण में तटीय विनियमन क्षेत्र प्रावधानों के कथित उल्लंघन का है.

महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री थे अनिल परब

बता दें कि, 57 वर्षीय अनिल परब महाराष्ट्र में परिवहन और संसदीय मामलों के मंत्री रहे हैं. उनके पास यह कार्यभार वर्ष 2019 से 2022 तक रहा. सूबे में तब उद्धव ठाकरे के अगुवाई वाली शिवसेना की सरकार थी. परब खुद को सच्चा शिवसैनिक बताते हैं. एक बीजेपी नेता के आरोपों पर परब ने कहा था, 'मैं एक सच्चा शिवसैनिक हूं. मैं हमारे पार्टी के भगवान बालासाहेब ठाकरे और मेरी दोनों बेटियों की कसम खा चुका हूं.' परब मूलतः मुंबई के निवासी हैं. 1974 में उनका जन्म हुआ.

2022 में कई दफा लंबी पूछताछ हुई थी

परब पर कार्रवाई के सिलसिले में प्रवर्तन निदेशालय (एऊ) द्वारा 14 स्थानों पर छापे मारे गए. 2022 में अनिल परब के खिलाफ ईडी ने कई बार समन जारी किया था. उन्हें बुलाकर ईडी के अधिकारियों ने कई-कई घंटे तक पूछताछ की थी. एक अधिकारी ने बताया कि महाराष्ट्र के रत्नागिरि जिले के दापोली समुद्र तट इलाके में साई रिजॉर्ट के निर्माण में कोस्टल रेगुलेशन जोन के प्रावधानों के उल्लंघन से जुड़ी मनी लॉन्ड्रिंग के केस में पूछताछ के लिए अनिल परब जून 2022 में ईडी कार्यालय बुलाए गए थे.

बीजेपी सांसद ने लगाए थे भ्रष्टाचार के आरोप

परब के खिलाफ कथित मनी लॉन्ड्रिंग के अलावा भी कई आरोप लगे. परब ने बीजेपी नेता और पूर्व सांसद किरीट सोमैया के खिलाफ बॉम्बे हाईकोर्ट में एक याचिका दायर कर पूर्व सांसद पर 100 करोड़ के मानहानि का दावा किया था. वहीं, बीजेपी नेता किरीट सोमैया ने अनिल परब पर कोंकण के दापोली में अवैध होटल बनाने का आरोप लगाया. सोमैया ने सार्वजनिक रूप से परब पर परिवहन विभाग में ट्रांसफर रैकेट चलाने का आरोप भी लगाया था.

सीएम योगी ने मुंबई में महाराष्ट्र के गवर्नर से की मुलाकात...

एकनाथ शिंदे-फडणवीस भी रहें मौजूद

महाराष्ट्र : उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी से राजभवन मुंबई में मुलाकात की. महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस भी मौजूद थे. इसके पहले सीएम योगी आदित्यनाथ मुंबई में आयोजित प्री-यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट कार्यक्रम में शामिल हुए. सीएम योगी अपनी मुंबई यात्रा के दौरान मुकेश अंबानी, सज्जन जिंदल, जीनल मेहता, अजय पीरामल सहित कई लोगों से मुलाकात करेंगे. देश के बड़े बैंकर्स और फिनटेक प्लेयर्स के साथ ही सीएम का संवाद होगा. बता दें कि सीएम योगी 5 से 27 जनवरी तक देश के 9 शहरों में होने वाले रोड शो की शुरूआत मुंबई से करेंगे. दिल्ली, बेंगलुरु, चेन्नई, कोलकाता, अहमदाबाद और हैदराबाद में भी यूपी का इन्वेस्टर्स रोड शो होगा.

एनसीपी विधायक धनंजय मुंडे सड़क हादसे में बाल-बाल बचे, सीने पर चोट लगने से हुए घायल...

महाराष्ट्र : एनसीपी विधायक और महाविकास आघाड़ी सरकार में मंत्री रहे धनंजय मुंडे का कार एक्सिडेंट हुआ है. सीने में चोट आई है. उनके कार्यालय से ट्वीट कर इसकी जानकारी दी गई है. राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) विधायक और महाविकास आघाड़ी सरकार में सामाजिक न्याय मंत्री रहे धनंजय मुंडे कार एक्सिडेंट में जख्मी हो गए हैं. उनके सीने में चोट आई है. इलाज के लिए वे मुंबई आ रहे हैं. सौभाग्य से इस कार एक्सिडेंट में धनंजय मुंडे सही सलामत रहे. हालांकि उनकी कार बुरी तरह से चकनाचूर हो गई है. एनसीपी विधायक धनंजय मुंडेने खुद ट्वीट कर इस दुर्घटना का जानकारी दी.

अपने ट्वीट में इस कार दुर्घटना की जानकारी देते हुए उन्होंने जनता से अपील की है कि वे इस दुर्घटना को लेकर फैल रही किसी अफवाह पर ध्यान ना दे. (3 जनवरी, मंगलवार) दिन भर अपने क्षेत्र से जुड़े कार्यक्रमों को निपटाकर जब वे परली लौट रहे थे तब यह हादसा हुआ. धनंजय मुंडे की कार का

एक्सिडेंट रात 12.30 बजे हुआ.

इस दुर्घटना में धनंजय मुंडे हल्के तौर पर जख्मी हुए हैं. उनके सीने में चोट आई है. ड्राइवर द्वारा कार चलाते वक्त नियंत्रण खो देने की वजह से यह हादसा हुआ.

सीने में चोट, डॉक्टरों ने दी आराम की सलाह

इस खबर की जानकारी धनंजय मुंडे के कार्यालय से ट्वीट कर दी गई. धनंजय मुंडे ने उसे रिट्वीट किया और जनता से अपील की कि वे अफवाहों पर ध्यान ना दें. ट्वीट में लिखा है, 'कल सभी कार्यक्रम और निर्वाचन क्षेत्र का दौरा निपटाने के बाद धनंजय मुंडे रात 12.30 बजे परली लौट रहे थे. इसी दौरान परली शहर में वे एक मामूली दुर्घटना के शिकार हुए. उनके सीने में मामूली चोट आई है और डॉक्टरों ने उन्हें आराम करने की सलाह दी है.'

ड्राइवर का संतुलन गड़बड़ाया, यही बताया, असली कारण सामने नहीं आया

फिलहाल धनंजय मुंडे की ओर से आधिकारिक तौर पर यही बताया गया है कि कार चला रहे ड्राइवर का संतुलन गड़बड़ाने की वजह से एक्सीडेंट हुआ. लेकिन दुर्घटना की असली वजह अब तक सामने नहीं आई है. यह भी साफ नहीं हुआ है कि कार में धनंजय मुंडे के अलावा और कितने लोग सवार थे? फिलहाल यही बताया जा रहा है कि डॉक्टरों ने उन्हें आराम करने की सलाह दी है और चोट मामूली है. इस बीच आगे के इलाज के लिए उनके मुंबई आने की भी खबर है.

संपादकीय / लेख

अभिव्यक्ति की आजादी

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री आजम खान से जुड़े एक मामले की सुनवाई कर रहे सुप्रीम कोर्ट का इस नतीजे पर पहुंचना व्यापक प्रभाव छोड़ने वाला हो सकता है कि यह मानना ठीक नहीं कि किसी मंत्री का वक्तव्य सरकार का कथन है। सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ आजम खान के उस बयान को लेकर सुनवाई कर रही थी, जिसमें दुष्कर्म के एक मामले में उन्होंने कहा था कि यह घटना अखिलेश सरकार को बदनाम करने की साजिश है। सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद उन्हें अपने इस बेतुके बयान के लिए क्षमा याचना करनी पड़ी थी। इस प्रकरण में यह प्रश्न शेष रह गया था कि क्या नेताओं के बोलने पर प्रतिबंध लगाया जा सकता है?

यह अच्छा हुआ कि सुप्रीम कोर्ट इस निष्कर्ष पर पहुंचा कि ऐसा नहीं किया जा सकता। किसी प्रतिबंध की पहल अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर आघात होती, लेकिन शीर्ष न्यायालय का निर्णय इस आम धारणा के विपरीत है कि किसी मंत्री का कथन सरकार का वक्तव्य होता है। अब उसके निर्णय की मनमानी व्याख्या हो सकती है और किसी भी मंत्री के अनपेक्षित, अमर्यादित बयान को उसके निजी बयान की संज्ञा देकर पल्ला झाड़ा जा सकता है। इतना ही नहीं, बड़बोले मंत्री बेलगाम हो सकते हैं, क्योंकि अब उनके पास यह आड़ होगी कि उनका बयान सरकार का कथन नहीं है।

यह ध्यान रहे कि मंत्री अपने बयानों के मामले में मंत्रिमंडल के सामूहिक दायित्व के सिद्धांत से बंधे रहते हैं। यदि वे उससे मुक्त हो जाएंगे तो यह कोई अच्छी स्थिति नहीं होगी। एक प्रश्न यह भी उभरेगा कि यह कैसे तय होगा कि किसी मंत्री का कौन सा कथन निजी माना जाए और कौन सरकार का? अच्छा होता कि इसका समाधान किया जाता। यह इसलिए आवश्यक है, क्योंकि नेताओं के बेतुके बयान एक समस्या बन गए हैं। जिम्मेदार पदों पर बैठे नेता और यहां तक कि मंत्री भी प्राय: ऐसा कुछ बोल जाते हैं, जो संबंधित दल या सरकार की शर्मिंदगी का कारण तो बनता ही है, आम जनता को उद्वेलित और आक्रोशित भी करता है। यद्यपि विचारार्थ मामले की सुनवाई में शामिल न्यायाधीश नागरत्ना ने अधिकांश बिंदुओं पर संविधान पीठ के अन्य सदस्यों से सहमति जताई, लेकिन उन्होंने यह एक सही सुझाव दिया कि राजनीतिक दलों को अपने नेताओं की ओर से दिए जाने वाले भाषणों को नियंत्रित करना चाहिए।

यह काम एक आचार संहिता बनाकर आसानी से किया जा सकता है। उचित यह होगा कि सभी दल यह समझें कि अभिव्यक्ति की आजादी का यह अर्थ नहीं कि जिसके जो मन आए, वह बोले। नेताओं को मयार्दा की सीमा में बांधना इसलिए और आवश्यक है, क्योंकि उनके बयान समाज को कहीं अधिक प्रभावित करते हैं। अभिव्यक्ति की आजादी जिस जिम्मेदारी की मांग करती है, उसकी पूर्ति कैसे हो, इस पर राजनीतिक दलों को विचार करना ही चाहिए।

editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalshaikh_91

महाराष्ट्र में शरद पवार ने बीजेपी के 'मिशन 45' पर कसा तंज...

हिमाचल प्रदेश में हार की दिलाई याद

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के अध्यक्ष शरद पवार ने महाराष्ट्र में बीजेपी के 2024 के लोकसभा अभियान की शुरूआत 'मिशन 45' के नारे के साथ करने को लेकर मंगलवार को बीजेपी प्रमुख जे पी नड्डा पर निशाना साधा. उन्होंने कटाक्ष करते हुए बीजेपी प्रमुख को यह भी याद दिलाया कि महाराष्ट्र में लोकसभा की 48 सीटें हैं, 45 नहीं. उन्होंने यह भी याद दिलाया कि नड्डा की पार्टी उनके गृह राज्य हिमाचल प्रदेश में विधानसभा चुनाव हार गई.

'...उन्हें मिशन 48 शुरू करना चाहिए था'

पुणे जिले के बारामती में पत्रकारों द्वारा पूछे जाने पर पवार ने कहा, ''मैं हैरान हूं... उन्हें मिशन 48 शुरू करना चाहिए था क्योंकि महाराष्ट्र में 48 लोकसभा सीटें हैं न कि 45.'' राकांपा प्रमुख ने कहा, ''वह अपनी पार्टी के अध्यक्ष हैं और पार्टी के पास उन्हें अध्यक्ष चुनने का अधिकार है, लेकिन राज्य और केंद्र में सत्ता में होने के बावजूद वह (हिमाचल प्रदेश में) चुनाव में सफल नहीं हो सके.'' उन्होंने कहा कि बीजेपी नेताओं के ऐसे बयानों को गंभीरता से लेने की जरूरत नहीं है.

महाराष्ट्र में हिंदुत्ववादी संगठनों द्वारा 'लव जिहाद' के खिलाफ कानून की मांग को लेकर निकाले जा रहे मार्च के बारे में पूछे जाने पर पवार ने कहा कि केंद्र और राज्य में बीजेपी सत्ता में है. पवार ने कहा, ''वे निर्णय ले सकते हैं... इसका विरोध कौन कर रहा है?'' उच्चतम न्यायालय द्वारा नोटबंदी को वैध मानने पर पूर्व केंद्रीय मंत्री पवार ने कहा कि यह शीर्ष अदालत का फैसला है और ''हम सभी को इसे स्वीकार करना होगा.'' उन्होंने यह भी कहा कि लेकिन भविष्य में लोग नोटबंदी के आर्थिक प्रभाव पर लिख सकते हैं और अलग राय सामने आएगी.

तेलंगाना राष्ट्र समिति का नाम बदलकर भारत राष्ट्र समिति करने और पार्टी के महाराष्ट्र से देश भर में अपना अभियान शुरू करने की योजना के बारे में पूछे जाने पर पवार ने कहा कि हर पार्टी को अपना जनाधार बढ़ाने का अधिकार है. उन्होंने कहा, ''मुझे खुशी है कि टीआरएस के नेतृत्व ने पार्टी का आधार बढ़ाने का फैसला किया है.''

साइरस मिस्त्री कार दुर्घटना केस

महाराष्ट्र पुलिस ने पालघर की अदालत में दायर की चार्जशीट...!

पालघर : पालघर जिले में अहमदाबाद-मुंबई हाइवे रोड पर हुई एक कार दुर्घटना में टाटा संस के पूर्व चेयरमैन साइरस मिस्त्री और एक पार्टनर की मौत के चार महीने बाद पुलिस ने बुधवार (4 जनवरी) को यहां एक अदालत में चार्जशीट दायर की. मिस्त्री (54) और जहांगीर पंडोले की पिछले साल चार सितंबर को उस वक्त मौत हो गई थी, जब उनकी लग्जरी कार हाइवे से गुजरते समय सूर्या नदी पर एक पुल पर डिवाइडर से टकरा गई थी. इस घटना में गाड़ी चला रही अनाहिता पंडोले (55) और डेरियस पंडोले गंभीर रूप से घायल हो गए.

पालघर जिला ग्रामीण पुलिस ने पांच नवंबर को भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 304-ए (लापरवाही से वाहन चलाने के कारण मौत), 279 (लापरवाही से गाड़ी चलाना या आम लोगों के चलने के मार्ग पर गाड़ी चलाना), 337 (मानव जीवन को खतरे में डालने वाला कृत्य करना) और मोटर वाहन अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया. इसके बादपुलिस ने गवाहों से पूछताछ की. साथ ही जांच के दौरान आरटीओ (क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय) और मर्सिडीज बेंज इंडिया, पुणे से रिपोर्ट ली.

पुलिस ने पहले कहा था कि मिस्त्री और जहांगीर पंडोले ने सीट बेल्ट नहीं लगाई थी.

आरपीआई-कावडे ने मुख्यमंत्री शिंदे की अगुआई वाली शिवसेना से मिलाया हाथ

मुंबई : महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ शिवसेना के एकनाथ शिंदे धड़े और पीपुल्स रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (जोगेंद्र कावड़े) ने बुधवार को गठबंधन की घोषणा की। शिंदे धड़े ने निकाय चुनाव से पहले यह बड़ी बढ़त बना ली है। यह गठबंधन इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि अपना आधार मजबूत कर रहे शिवसेना के शिंदे धड़े को इससे दलित वोट मिल सकते हैं। शिंदे ने पिछले साल शिवसेना से अलग होने के बाद उद्धव ठाकरे सरकार को गिरा दिया था। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कावड़े ने कहा कि यह गठबंधन सिर्फ 'बालासाहेबंची शिवसेना' (शिंदे गुट का आधिकारिक नाम) के साथ किया गया है। दलित नेता ने कहा, ''महाराष्ट्र को बहुत बहादुर मुख्यमंत्री मिला है। ऐसा लगता है जैसे यह सबकी सरकार है। हम उनसे बहुत प्रभावित हैं।'' कावडे ने कहा कि गठबंधन का वैचारिक जोर ज्योतिबा फुले, छत्रपति शाहू जी महाराज, डॉक्टर भीम राव आंबेडकर और 'प्रबोधंकर' ठाकरे (सेना के संस्थापक बाल ठाकरे के पिता, जो एक प्रसिद्ध सुधारक थे) के सुधारवादी आदर्श होंगे। गौरतलब है कि यह गठबंधन ऐसे समय में हुआ है जब शिवसेना के उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाले धड़े और प्रभावशाली दलित नेता प्रकाश आंबेडकर की वंचित बहुजन अघाड़ी (वीबीए) के बीच गठबंधन की चर्चा चल रही है।

बहुमंजिला सोसाइटी की लिफ्ट टूटकर गिरी, 20 वर्षीय युवक की मौत

मुंबई : मुंबई के उपनगर विक्रोली स्थित एक बहुमंजिला सोसाइटी की लिफ्ट टूटकर गिरने से उसमें सवार एक 20 वर्षीय युवक की मौत हो गई। यह हादसा पूर्वी मुंबई के स्टेशन रोड स्थित सिद्धिविनायक सोसाइटी में दोपहर 01:30 बजे हुआ। पुलिस ने बताया कि कांच की लिफ्ट में हादसे के समय चार युवक मौजूद थे, जो लिफ्ट टूटने पर सीधे जमीन पर गिरे और फंस गए। सूचना मिलने पर अग्निशमन दल को मौके पर भेजा गया, जिन्होंने लिफ्ट खोलकर लोगों को निकाला। ब्रह्ममुंबई नगरपालिका के एक अधिकारी ने बताया कि 24 मंजिला इमारत की टूटी लिफ्ट से चार लोगों में तीन अपने आप ही बाहर आ गए, जबकि उसमें फंसे एक 20 वर्षीय युवक को बड़ी मुश्किल से निकाला गया। उसे घाटकोपर स्थित राजवाड़ी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बता दें कि पिछले महीने पहले बांद्रा रेलवे स्टेशन पर 20 यात्री लिफ्ट में आधे घंटे तक फंसे रहे थे, जिन्हें काफी मुश्किल से निकाला गया।

हड़ताल करने वालों पर सरकार करेगी कार्रवाई

बिजली कर्मियों की 72 घंटे की हड़ताल...

मुंबई: बिजली आपूर्ति की अनुमति अडाणी कंपनी को देने का सरकारी बिजली कंपनियों के कर्मचारियों और अधिकारियों ने विरोध किया है। विरोध के रूप में बुधवार से 72 घंटे की हड़ताल पर जा रहे हैं। इससे राज्य के कई हिस्सों में बिजली सप्लाई बाधित हो सकती है। हालांकि, सरकार की ओर से दावा किया गया है कि हड़ताल से निपटने के लिए उनकी पूरी तैयारी है। साथ ही चेताया है कि हड़ताल पर जाने वालों के खिलाफ सरकार कड़ी कार्रवाई करेगी। हड़ताल टालने के लिए सोमवार को ऊर्जा विभाग की प्रधान सचिव आभा शुक्ला, तीनों बिजली कंपनियों के अध्यक्ष तथा प्रबंध निदेशक सहित अन्य अधिकारियों ने बिजली कर्मचारी संघर्ष समिति के पदाधिकारियों के साथ बैठक की, लेकिन बैठक किसी नतीजे तक नहीं पहुंच सकी। कर्मचारी संगठनों का कहना है कि उन्होंने डेढ़ माह पूर्व ही सरकार को इस बारे में नोटिस दिया था, लेकिन सरकार की तरफ से इस पर ध्यान नहीं दिया गया। महाराष्ट्र स्टेट इलेक्ट्रिसिटी वर्कर्स फेडरेशन के महासचिव कृष्ण भोईर ने बताया कि महाराष्ट्र स्टेट इलेक्ट्रिसिटी डिस्ट्रीब्यूशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड (महावितरण), महाराष्ट्र स्टेट इलेक्ट्रिसिटी ट्रांसमिशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड (महापारेषण) और महाराष्ट्र स्टेट इलेक्ट्रिसिटी जेनरेशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड (महानिर्मिति) सरकारी बिजली कंपनियां के कर्मी पिछले दो-तीन सप्ताह से प्रदर्शन कर रहे हैं। सोमवार को 15,000 से अधिक कर्मियों ने ठाणे जिलाधिकारी कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया था। उन्होंने बताया कि इन तीन विद्युत कंपनियों के करीब 86,000 कर्मचारी, अधिकारी, अभियंता और 42,000 अनुबंधित कर्मियों एवं सुरक्षाकर्मियों के साथ 72 घंटे की हड़ताल पर जाने का निर्णय लिया है।

आपराधिक मामलों में 11 प्रतिशत की हुई बढ़ोतरी

मुंबई : देश भर में महिला सुरक्षा की बात समय-समय पर होती रहती है। इसके बावजूद महिलाओं पर हो रहे अत्याचारों में दिनों-दिन इजाफा हो रहा है। महिला अपराध दुष्कर्म और छेड़छाड़ के मामले आए दिन देखने को मिल रहे हैं। कुल मिलाकर महिला समुदाय घर, बाहर, पार्क, स्कूल, जिम, बस स्टैंड और ऑफिस कहीं भी महफूज नहीं है। लड़कियों के लिए देर रात घर से बाहर होना उनकी जान के लिए शत-प्रतिशत खतरा मंडराने के बराबर है। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में महिलाओं के अपराध में ११ फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। आलम यह है कि अब लड़कियां घर से निकलने में डर रही हैं। मिली जानकारी के अनुसार मुंबई में महिलाओं के खिलाफ आपराधिक मामलों में ११ प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। इसमें से सर्वाधिक १,०३६ आपराधिक मामले अपहरण के हैं, जबकि ८८५ महिलाओं पर बर्बरता को लेकर दर्ज किए गए हैं। मुंबई में नाबालिग लड़कियों पर अत्याचार के ५४९ व अपहरण के मामलों को लेकर १,०२९ शिकायत दर्ज की गई हैं। नाबालिग व वयस्क लड़कियों के अपहरण की घटनाओं में तीन प्रतिशत की वृद्धि हुई है। जनवरी से नवंबर २०२२ के बीच १८ महिलाओं की हत्या के मामले दर्ज किए गए। हालांकि, पुलिस को इन सभी मामलों को सुलझाने व आरोपियों को पकड़ने में सफलता मिली है।

मुंबई पुलिस ने वर्ष २०२२ में जनवरी से नवंबर तक लड़कियों के साथ छेड़खानी के २७ आपराधिक मामले दर्ज किए हैं। इसमें से पुलिस ने १८ मामलों में कार्रवाई की है। पिछले वर्ष इस तरह की घटनाओं को लेकर ३७ मामले दर्ज किए गए थे। २९ मामलों में पुलिस ने कार्रवाई की थी। गौरतलब है कि किसी लड़की को १४ सेकंड तक एकटक घूरना छेड़खानी के अपराध के दायरे में आता है। इस धारा के तहत अपराध सिद्ध होने पर तीन साल के कारावास की सजा का प्रावधान है लेकिन महिलाओं के लिए राहत की बात यह है कि छेड़खानी से जुड़ी घटनाओं में २७ प्रतिशत की कमी आई है। वर्ष २०२१ में पुलिस को नाबालिगों से जुड़े ९८ प्रतिशत मामलों को सुलझाने में सफलता मिली थी। इसके अंतर्गत पॉक्सों के ४५० और छेड़छाड़ के दर्ज ३९१ मामलों में से ८७ प्रतिशत मामलों को सुलझाने में सफलता मिली थी। इसके साथ ही इस साल नवंबर २०२२ तक महिलाओं का अनादार करने (भारतीय दंड संहिता की धारा ५०९) के ६३२ मामले दर्ज किए गए हैं, जबकि २०२१ में यह आकड़ा ४८० था, यानी महिलाओं का अपमान करने के मामलो में ३२ प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है।

१५ से २० की दवा मिल रहीं रु.२०० में, जेनरिक दवाओं के नाम पर नागरिकों से लूट!

पालघर : जेनरिक दवाएं गरीबों को राहत देने की बजाय मेडिकल स्टोर संचालकों की जेब भर रही हैं। जेनरिक और एथिकल दवाओं को अलग-अलग पहचान पाना आम जनता के बस में नहीं है। ये बात सिर्फ मेडिकल स्टोर्स संचालक और अस्पताल वाले ही समझ सकते हैं। डॉक्टरों को सख्त निर्देश के बावजूद वे जेनरिक दवाई लिखने में आनाकानी कर रहे हैं, क्योंकि जेनरिक दवाओं में उनका मुनाफा कम होता है और ब्रांडेड दवाओं में ज्यादा। इन ब्रांडेड दवाओं के नाम पर मेडिकल स्टोर्स वाले नागरिकों को लूट रहे हैं और स्वास्थ्य विभाग सुस्त पड़ गया है।

उदाहरण के तौर पर एक ब्रांडेड दवाई की कीमत अगर २०० रुपए की है तो यही दवाई जेनरिक मेडिकल स्टोर्स में १५ से २० रुपए की मिलेगी। यह भी देखा जा रहा है कि जेनरिक दवाओं को अन्य मेडिकल स्टोर्स वाले ब्रांडेड बताकर ग्राहकों को २० से २५ प्रतिशत छूट देते हैं, जिससे ग्राहक खुशी-खुशी दवा लेता है। इसके बावजूद दवा विक्रेताओं को ८० प्रतिशत की कमाई होती है, जिससे ग्राहक अनजान होते हैं।

जेनरिक दवाओं के प्रयोग पर सरकार विशेष जोर दे रही है। जेनरिक को ब्रांडेड दवाओं के नाम पर मरीजों तक पहुंचाया जा रहा है। इन दवाओं की कीमत में औसतन १०० से १५० फीसद का मुनाफा रहता है। जैसे एक दवा का जेनरिक एमआरपी ४२ रुपए जो होलसेल में मात्र १८ रुपए की मिलती है। इसी कंपनी की ब्रांडेड दवा का एमआरपी ३९ रुपए दर्ज था इसीलिए यह मुनाफे का सौदा बनी हुई हैं।

जेनरिक व ब्रांडेड दवाओं में सिर्फ नाम का अंतर होता है। आम आदमी को लाभ देने के लिए सरकार के निर्देश पर कंपनियों द्वारा यह दवाएं बाजार में उतारी गई हैं। चिकित्सकों को भी जेनरिक दवाएं लिखने के निर्देश दिए गए हैं। इसके बाद भी इसका दुरुपयोग हो रहा है। ब्रांडेड दवाएं बताकर मेडिकल स्टोर संचालक मोटा मुनाफा कमा रहे हैं।

हाल्टेरिया भोजन सिर्फ वायरस

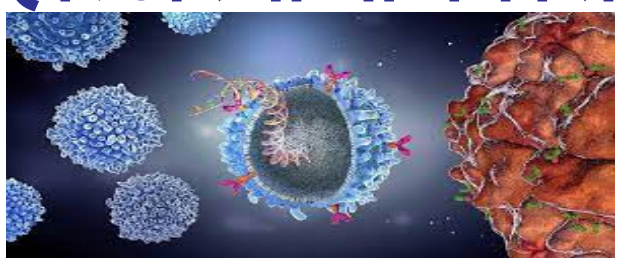

मुंबई : कोविड जैसी खतरनाक बीमारी के आने के बाद से 'वायरस' का नाम सुनते ही हर शख्स सिहर जाता है। कोविड वायरस के कारण पूरी दुनिया में अब तक करीब ७० लाख लोगों की जानें जा चुकी हैं। इस वायरस की कोई दवा नहीं है और सिर्फ वैक्सीन लेकर इसके खतरे को कम किया जा सकता है। हालांकि चीन में तो एंटी कोविड वैक्सीन लगाए जाने के बाद भी वहां कोविड की नई लहर आ गई, जिससे रोजाना हजारों लोगों की मौत की खबरें आ रही हैं। इसे देखते हुए हिंदुस्थान में भी सतर्कता बरतने की अपील की जा रही है। दुनिया में छाए कोविड के इस खौफ के बीच अब वैज्ञानिकों ने एक नए जीव का पता लगाया है जो कोविड जैसे वायरस का काल साबित हो सकता है। इस जीव का नाम 'हाल्टेरिया' है और यह साफ पानी में पाया जाता है। इस जीव का भोजन सिर्फ वायरस है। अब जानकारों का मानना है कि आनेवाले दिनों में वैज्ञानिक इस जीव से कोई ऐसी तकनीक विकसित कर सकते हैं, जिससे वह कोविड जैसे खतरनाक वायरस का खात्मा कर सके। अगर वैज्ञानिक अपने प्रयोग में सफल हुए तो कोविड जैसी खतरनाक बीमारी से दुनिया को राहत मिल सकती है

पहली बार वायरस को खानेवाला जीव मिला है। ऐसे में इस जीव के जरिए दुनिया के कई घातक वायरसों को खत्म किया जा सकता है। यह जीव वायरसों को खाकर अपनी आबादी १५ गुना तेजी से बढ़ाता है, जबकि वायरसों की संख्या सैकड़ों गुना तेजी से कम करता है। कोरोना जैसे वायरसों से पूरी दुनिया परेशान है। वायरस को खानेवाले इस जीव की खोज अमेरिका स्थित यूनिवर्सिटी ऑफ नेब्रास्का-लिंकन के वैज्ञानिकों ने की है। जानकारों के अनुसार भविष्य में हो सकता है कि वायरसों पर काबू पाने के लिए इस जीव का इस्तेमाल किया जाए।

मिली जानकारी के अनुसार साफ पानी में पाया जानेवाला एक प्रकार का प्लैंकटॉन दुनिया का पहला ऐसा जीव है, जो सिर्फ और सिर्फ वायरस से अपना पेट भरता है। इसका ब्रेकफास्ट, लंच और डिनर सब वायरस ही होता है। यह इकलौता ऐसा जीव है, जो सिर्फ वायरस खाता है। वायरस को खानेवाले जीवों को वैज्ञानिकों ने 'वीरोवोरी' नाम दिया है, जो माइक्रोब यानी प्लैंकटॉन सिर्फ वायरस खाता है, उसका नाम है हाल्टेरिया। यह एक प्रोटिस्ट जीव है। यह अपने बाल जैसे पतले सूंड़ को पानी में लहराता रहता है, उससे वायरस को पकड़कर खाता है। स्टडी के दौरान इस जीव ने लैब में क्लोरोवायरस को सफाचट कर दिया। इसे खाकर ही हाल्टेरिया ने अपनी आबादी दुनिया भर के साफ पानी के स्रोतों में बढ़ाई है। क्लोरोवायरस खाने के बाद हाल्टेरिया अपने शरीर के टुकड़े कर नए हाल्टेरिया बनाता है, जो वापस क्लोरोवायरस खाकर यही प्रक्रिया दोहराते हैं। यह खोज करनेवाले प्रमुख शोधकर्ता जॉन डिलॉन्ग कहते हैं कि वायरस और हाल्टेरिया के बीच का संबंध अद्भुत है। वायरस को खाने और फिर अपनी आबादी बढ़ानेवाला हाल्टेरिया बड़ी मात्रा में ऊर्जा पैदा कर रहे हैं। यानी अगर पूरी दुनिया के स्तर पर देखें तो बड़े पैमाने पर कार्बन साइक्लिंग हो रही है। जॉन कहते हैं कि कोई जीव वायरस को क्यों खाता है, ये बड़ा सवाल है।

'वर्क फ्रॉम होम' जॉब का ऑफर देकर शख्स से ठगे 11.25 लाख रुपये; 1 व्यक्ति गिरफ्तार

पालघर : महाराष्ट्र के पालघर जिले में 'घर से काम' की नौकरी के ऑनलाइन ऑफर के जरिए एक व्यक्ति से कथित तौर पर 11.25 लाख रुपये की ठगी की घटना सामने आई है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने इस मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पीड़ित को एक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इस तरह की नौकरी की पेशकश के बारे में एक विज्ञापन मिला था। पुलिस की एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि उसे एक ऑनलाइन संदेश सेवा पर एक लिंक निर्देशित किया गया था, जहां उसे नौकरी की पेशकश के लिए कुछ भुगतान करने और अच्छी आय मिलने की बात कही गई थी। पीड़ित ने समय-समय पर 11.25 लाख रुपये का भुगतान किया। वादे के मुताबिक नौकरी नहीं मिलने पर उसने सोमवार को पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। मीरा भायंदर-वसई विरार पुलिस की साइबर सेल ने मामले की जांच शुरू की और पाया कि पैसा एक बैंक खाते में जमा किया गया था।

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : गुरुवार, 05 जनवरी 2023

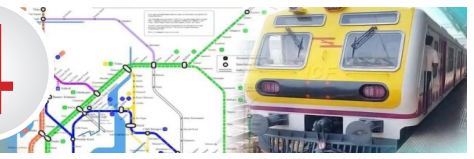

दैवीय शक्ति बताकर महिला के साथ कई बार किया सेक्स

विरोध करने पर दी जान से मारने की धमकी

महाराष्ट्र : अंधश्रद्धा के चलते कब क्या हो जाएं यह कोई नहीं बता सकता है। आये दिन महाराष्ट्र में अपराध की घटनाएं तेजी से बढ़ रही हैं। इसे में इन दिनों नासिक जिले में भी अपराध की घटनाएं सामने आ रही हैं, हाल ही में शर्ट चोरी करने करने के आरोप में एक शख्स को बेरहमी से पीटा गया है, ऐसे में और एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। ढोंगी बाबा ने महिला के शरीर में दैवीय शक्तियां होने का झांसा दिया इसके बाद उस एक महिला को बार-बार प्रताड़ित किया, और शारीरिक संबंध बनाया। नासिक के उपनगरीय इलाके में यह चौंकाने वाला मामला सामने आया है। इस मामले में ढोंगी बाबा समेत तीन अन्य के खिलाफ उपनगर थाने में मामला दर्ज किया गया है।

दैवीय शक्तियों का झांसा देकर किया सेक्स

आपको बता दें कि आरोपी का नाम विष्णु काशीनाथ वारुंगसे उर्फ देवबाबा है। उसने एक महिला की सहमति के बिना उसके आवास और अन्य स्थानों पर बार-बार यौन उत्पीड़न किया। उसने इस बारे में किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी। आरोपी ने महिला में दैवीय शक्तियां होने का नाटक किया। साथ ही पीड़ित महिला ने पुलिस को दी शिकायत में कहा है कि उसने महिला को घर खरीद कर देने का झांसा देकर करीब 5 लाख रुपये ठग लिए।

पुरे परिवार के खिलाफ मामला दर्ज...

चूंकि इस पूरी घटना में विष्णु काशीनाथ वारुंगसे उर्फ देवबाबा की पत्नी, बेटा और बेटी भी शामिल हैं, इसलिए देवबाबा के साथ उनकी पत्नी सुनीता विष्णु वारुंगसे, उमेश विष्णु वारुंगसे और देवबाबा की बेटी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। इस मामले में उपनगर पुलिस वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक नीलेश मैनकर के मार्गदर्शन में आगे की जांच कर रही है। फिलहाल इस घटना से नाशिक में सनसनी मची हुई है।

लेजर शो से जगमगाएगी मुंबई की गिरगांव चौपाटी

वॉटर कर्टेन से दिखेगा रंग-बिरंगी शो...

मुंबई: मुंबई के प्रमुख पर्यटन स्थलों में शामिल गिरगांव चौपाटी पर अब लोगों को लेजर शो का नजारा भी देखने को मिलेगा। बीएमसी ने चौपाटी पर लोकमान्य तिलक गार्डन के सामने समुद्र तट पर वॉटर कर्टेन रंग-बिरंगी लेजर शो की योजना बनाई है। साथ ही, यहां सेल्फी पॉइंट भी बनाया जाएगा। मुंबई में यह पहली चौपाटी होगी, जहां लेजर शो का आयोजन होगा। बीएमसी के एक अधिकारी ने बताया कि लेजर शो प्रॉजेक्ट पर करीब 3 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इसके लिए टेंडर जारी कर दिया गया है, जल्द ही वर्क ऑर्डर भी दे दिया जाएगा। हमें उम्मीद है कि फरवरी से इस पर काम शुरू हो जाएगा। अधिकारी ने बताया कि सिंगापुर और बैंकॉक की तरह यह वॉटर कर्टेन लेजर शो होगा। इसके लिए समुद्र के किनारे की जगह चुनी गई है। इससे समुद्र का नजारा काफी दर्शनीय होगा।

दक्षिण मुंबई में स्थित गिरगांव चौपाटी पर प्रतिदिन हजारों लोग घूमने आते हैं। अभी तक यहां ऐसी कोई व्यवस्था नहीं थी, जिससे दर्शकों का मनोरंजन हो सके। लेजर शो के जरिए लोग आकर्षित होंगे, जिससे यहां पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। मरीन ड्राइव से गिरगांव चौपाटी के बीच करीब तीन किलोमीटर लंबे समुद्र तट पर शाम को काफी भीड़ होती है। बीएमसी को उम्मीद है कि लेजर शो के आयोजन से इसमें काफी बढ़ोतरी होगी। यहां साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। बीएमसी ने यहां 30 सीटर बायो टॉइलेट बनाने का निर्णय लिया है।

व्यूइंग डेक का निर्माण

गिरगांव चौपाटी पर एक खूबसूरत व्यूइंग डेक का निर्माण किया गया है। यह डेक सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट पर बनाया गया है। इस व्यूइंग डेक से एकसाथ लगभग 500 लोग अरब सागर के विहंगम दृश्य का आनंद लेते हैं। साथ ही, यहां व्यूइंग गैलरी में लगभग 1,000 लोग एकसाथ जा सकते हैं। यहां आने वाले पर्यटक समुद्र में उठने वाली लहरों का भी आनंद लेते हैं। डेक का पूरा क्षेत्र 470 वर्ग मीटर है, जिसमें 75 लोगों के बैठने की क्षमता है। डेक पर बीएमसी सोलर पैनल लगाने की योजना पर भी काम कर रही है।

मुंबई में निमार्णाधीन इमारत से गिरकर मजदूर की मौत, ठेकेदार पर मामला दर्ज...

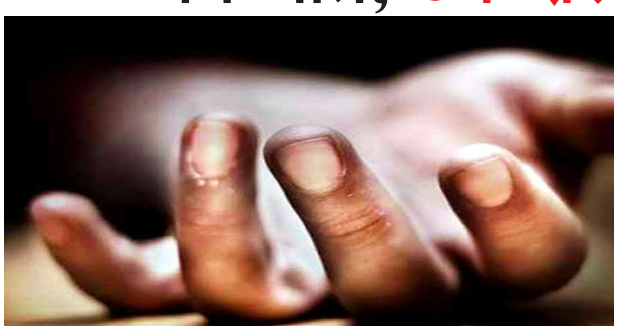

पुलिस ने पश्चिम बंगाल के 20 वर्षीय श्रमिक को सुरक्षा उपकरण उपलब्ध नहीं कराने के मामले में एक ठेकेदार और अन्य पर मामला दर्ज किया है. पिछले सप्ताह उपनगरीय मुंबई में एक निमार्णाधीन इमारत से गिरने से श्रमिक की मौत हो गयी थी. एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी. उन्होंने कहा कि 30 दिसंबर को उपनगरीय कलिना में सीएसटी रोड पर हुई घटना के सिलसिले में अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई.

फिसलकर तीसरी मंजिल से गिरा मजदूर

वकोला थाने के एक अधिकारी ने कहा कि पीड़ित और उसके सहकर्मी मुंबई विश्वविद्यालय परिसर के पास निमार्णाधीन स्थल पर एक सुरक्षा जाल स्थापित कर रहे थे, उसी दौरान वह फिसल गया और इमारत की तीसरी मंजिल से गिर गया. उन्होंने बताया कि गंभीर रूप से घायल मजदूर को स्थानीय अस्पताल ले जाया गया जहां भर्ती करने से पहले ही डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. अधिकारी ने कहा कि हाल ही में अपने गृह राज्य पश्चिम बंगाल से मुंबई आए पीड़ित को कोई सुरक्षा उपकरण उपलब्ध नहीं कराया गया था. उन्होंने कहा कि पुलिस ने ठेकेदार और कुछ अन्य लोगों पर लापरवाही का मामला दर्ज किया और आगे की जांच की जा रही है.

मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर सड़क हादसा

मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर 2 जनवरी सुबह करीब 7.30 बजे तुंगरली गांव की सीमा में एक कार दुर्घटना हुई. घटना में तालेगांव निवासी एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य घायल हो गए. मृतक की पहचान तलेगांव दाभाडे निवासी दीपक अशोक नाटक (27) के रूप में हुई है. घायलों की पहचान पिंपरी के संत तुकाराम नगर निवासी राहुल कैलास जाधव (28), खंडोबा मल पिंपरी निवासी जलिंदर बापू पवार (51) और पिंपरी निवासी रोहन भगवान वाघमारे (28) के रूप में हुई है. लोनावला शहर पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, उल्लिखित सभी लोग वाहन में थे, जब तालेगांव की ओर जाते समय तुंगरली गांव सीमा की ओर जा रहे कंटेनर से कार टकरा गई.

5 करोड़ रुपए की मूल राशि पर करीब 300 करोड़ रुपए

मुंबई : लंबी लड़ाई और हर अदालत में हार के कारण राज्य सरकार को एक सड़क ठेकेदार को ५ करोड़ रुपए की मूल राशि पर करीब ३०० करोड़ रुपए का ब्याज देने का मामला सामने आया है। जानकारी के मुताबिक इस ठेकेदार को ५ करोड़ ७१ लाख रुपए अदा करने का आदेश लवादा (तटस्थ व्यक्ति) ने दिया था। लवादा के इस फैसले को विभिन्न अदालतों में दी गई चुनौती से होनेवाली देरी के कारण सरकार को उक्त फटका लगा है।

'बांधो, उपयोग और हस्तांतरित करो, योजना' के तहत वर्धा जिले के जाम से चंद्रपुर जिले के वरोरा तक सड़क पर चेन ब्रिज का ठेका खरे एंड तारकुंडे इंफ्रास्ट्रक्चर नामक कंपनी को अक्टूबर १९९७ में दिया गया था। २२६ करोड़ रुपए के इस काम को कंपनी ने अक्टूबर १९९८ में पूरा किया था। परियोजना की अवधि समाप्त होने पर कंपनी ने टोल वसूली बंद करके सड़क और पुल सार्वजनिक विभाग को हस्तांतरित कर दिए थे, इसके बाद ठेकेदार ने लवादा (तटस्थ व्यक्ति) की मांग की, सेवानिवृत्त मुख्य अभियंता आर. एच. तड़वी की नियुक्ति लवादा (तटस्थ व्यक्ति) के रूप में की गई। लवादा ने ४ मार्च २००४ को ५ करोड़ ७१ लाख व उस पर २५ प्रतिशत प्रति महीने चक्रवृद्धि ब्याज सहित ठेकेदार को रकम देने का आदेश दिया था।

मालिक , मुद्रक,प्रकाशक ,संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिंटिंग प्रेस , गाला नं 3 - 4 ,अमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट ,सोनावला क्रॉस रोड नं 12 ,गोरगांव (पूर्व),मुंबई 63 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। संपर्क कार्यालय : 1 -ए, ग्राउंड फ्लोर साहिल मेंशन, बालमिया लेन, माहिम वेस्ट मुंबई 400016 मोबाइल नं 9987 77 5650 व्हाट्सप्प नं 7977 40 8589 : Email - editor@rokthoklekhaninews.com